Prime Minister shares Sanskrit Subhashitam highlighting the enduring spirit of Mother Earth

Posted On: 22 APR 2026 11:12AM by PIB Delhi

The Prime Minister, Shri Narendra Modi, shared a Sanskrit Subhashitam highlighting the enduring spirit of Mother Earth:

"यस्यां वृक्षा वानस्पत्या ध्रुवास्तिष्ठन्ति विश्वहा।

पृथिवीं धेनुं प्रदुहां न उदिच्छन्तु नमोऽस्तु पृथिव्यै॥"

The Subhashitam conveys, "On the land where trees and plants always stand firm and steady, May that earth provide us with all comforts and resources. We bow to mother Earth."

Shri Modi stated that the Earth is our mother,the welfare of humanity lies in its preservation and protecting it is not only our collective duty, but also our sacred pledge to future generations.

The Prime Minister wrote on X;

“पृथ्वी हमारी माता है और इसके संरक्षण में मानवता का कल्याण निहित है। इसकी रक्षा करना हम सबका केवल दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प भी है।

यस्यां वृक्षा वानस्पत्या ध्रुवास्तिष्ठन्ति विश्वहा।

पृथिवीं धेनुं प्रदुहां न उदिच्छन्तु नमोऽस्तु पृथिव्यै॥"

> पृथ्वी हमारी माता है और इसके संरक्षण में मानवता का कल्याण निहित है। इसकी रक्षा करना हम सबका केवल दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प भी है।
>
> यस्यां वृक्षा वानस्पत्या ध्रुवास्तिष्ठन्ति विश्वहा।
>
> पृथिवीं धेनुं प्रदुहां न उदिच्छन्तु नमोऽस्तु पृथिव्यै॥ pic.twitter.com/PqeuwZP79H
>
> — Narendra Modi (@narendramodi) April 22, 2026

****

MJPS/VJ

(Release ID: 2254378) Visitor Counter : 410
Read this release in: Urdu , हिन्दी , Assamese , Manipuri , Bengali , Punjabi , Gujarati , Telugu , Kannada , Malayalam